भारत सरकार/Government of India

परमाणु ऊर्जा विभाग/Department of Atomic Energy

भारी पानी बोर्ड/Heavy Water Board

संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली पर वार्ता का आयोजन 2025- रिपोर्ट

संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति के तत्वावधान में निसेसंप्रनि द्वारा अणुशक्तिनगर स्थित परमाणु ऊर्जा विभाग की पांच यूनिटों (परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद; भारी पानी बोर्ड; निर्माण, सेवा एवं संपदा प्रबंधन निदेशालय; क्रय और भंडार निदेशालय तथा विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड) द्वारा संयुक्त रूप से संयुक्त पाँचों सदस्य इकाइयों के प्रशासन एवं लेखा अधिकारियों के लिए (अर्धदिवसीय) संसदीय राजभाषा निरीक्षण प्रश्नावली पर चर्चा सत्र / वार्ता का आयोजन दिनांक 25 मार्च, 2024 को पूर्वाह्न 9.30 बजे से अपराह्न 12.30 बजे तक विपस हॉल, वि.सा. भवन, अणुशक्तिनगर, मुंबई में किया गया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में श्रीमती अनुराधा दोडके, उप निदेशक (राभा), निसेसंप्रनि ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली भरे जाने में आनेवाली चुनौतियों का समाधान के उद्देश्य से कार्यक्रम की उपादेयता को स्पष्ट किया एवं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दी। वक्ता के रूप में डॉ. रश्मि वार्ष्णेय, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), नाभिकीय पुनश्चक्रण बोर्ड, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुंबई आमंत्रित थीं।

श्री भास्करानंद झा, उप निदेशक (राजभाषा), भापाबो ने वक्ता के रूप में आमंत्रित डॉ. रश्मि वार्ष्णेय का परिचय प्रस्तुत किया। श्री के. स्वामीनाथन, अध्यक्ष, संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति ने सभी

यूनिटों के प्रतिभागियों का स्वागत किया और शुभकामनाएं दी । इस अवसर पर श्री एसमेश्राम मुख्य .ए. पऊनिप ,प्रशासन अधिकारी भी उपस्थित थें।

डॉ. रश्मि वार्ष्णेय, संयुक्त निदेशक (राजभाषा),नाभिकीय पुनश्चक्रण बोर्ड, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुंबई ने संशोधित प्रश्नावली की मूल एवं नए बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उससे संबंधित छोटे से छोटे आंकड़ों के संकलन की आवश्यकताओं पर बल दिया । उन्होंने प्रश्नावली के विभिन्न भागों एवं उनके अंतर्गत आने वाले महत्वपूर्ण मदों पर चर्चा करते हुए उनसे संबंधित रिकार्डों के अनुभागवार अनुरक्षण पर विशेष जोर दिया । प्रश्नावली के विविध मदों की सूक्ष्म व्याख्या करते हुए परिचर्चा सत्र के साथ उन्होंने अपना व्याख्यान समाप्त किया ।

सभी अधिकारियों को अपने अनुभाग में हिंदी में काम करवाने हेतु प्रोत्साहित करते हुए धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही इस वार्ता का सफल समापन हुआ ।

****